KHAN GLOBAL STUDIES

The Most Trusted Learning Platform

UPPSC – 2023

LIVE CLASSES

BY–AMARENDRA SRIVASTAV SIR

Nanda Dynasty (नंद वंश) → 344 B.C. – 323 B.C.

- 1st Shudra Dynasty of Magadha.
  (मगध का पहला शूद्र वंश)

Mahapadma Nanda (महापदम नंद) → 344 B.C. – 329 B.C.

- founder of Nanda Dynasty
  (नंद वंश का संस्थापक)
- Capital :- Patliputra (पाटलीपुत्र)

* Title/Other Name :- (नाम या उपाधि)

- Sarvakshatrantaka (सर्वक्षत्रांतका) → पुराणों के अनुसार
  - क्षत्रियों का नाशक
- 2nd Parashuram (द्वितीय परशुराम)
- Ugrasen (उग्रसेन) → महाबोधि-वंश के अनुसार
- Ekrat (एकराट)

→ महापदम नंद ने कलिंग पर आक्रमण किया
(Mahapadma Nanda invaded on Kalinga)
और वहाँ पर एक नहर का निर्माण करवाया।
(and He built a canal)

UPSC

↓

कलिंग राजा खारवेल के हाथी गुंफा अभिलेख
के अनुसार।

↓

इसी ने कहा गया नंदराजा ने जिनसेन की प्रतिमा
भी अपने साथ ले गया।

* contempory :- Panini (पाणिनी)
(समकालीन)

↳ **Book** :- अष्टाध्यायी (Ashtadhyayi)

↳ 1st Book of Sanskrit Gramm.
(संस्कृत के व्याकरण की पहली किताब)

Dhananand (धनानंद) → 329 B.C. — 323 B.C.

- Last ruler of Nanda Dynasty.
  (नंद वंश का अंतिम शासक)
- He was Killed by Chandragupta Maurya with the help of Chanakya. → 323 B.C.
  (इसकी हत्या चंद्रगुप्त मौर्य ने चाणक्य की मदद से किया)

→ महापद्म नंद 8 वाँ उत्तराधिकारी।

→ कुल → 9 नंद थे इसी लिए इन्हे नवनंद कहा जाता है।

→ चाणक्य का अपमान इसी के द्वारा।

→ Contemporary (समकालीन) :-
- Alexander (सिकंदर)
- Porus (पोरस)
- Ambhi (अम्भी)

Foreign Invasion (विदेशी आक्रमण)

1. Iran/Persian (ईरान या पारसीक)
2. Greek/Macedonia (यूनानी या मकदूनियाई)

Iranian/Persian Invasion (ईरान या पारसीक आक्रमण)

हखामनी वंश (Hakhamani Dynasty)

↳ founder :- (संस्थापक) Cyrus-II (साइरस-II) or Kurush (कुरुष)

→ साइरस ने भारत पर पहला असफल प्रयास किया।

Darius-I or Dara-I (डेरियस-I या दारा-I)
↳ दारयवहु (Daraibahu)

* He invaded in 516 B.C.
(इसने 516 ई०पू० आक्रमण किया)

↳ Area (क्षेत्र) :- North-west (उत्तर-पश्चिम)
↳ जीता (Victory) :- गांधार एवं कंबोज (Gandhar & Comboj)

* India became 20th Province of Iran.
(भारत ईरान का 20वां प्रांत बना)

* At that time the King of Magadha was Bimbisara.

(उस समय मगध का शासक बिम्बिसार था)

भारत पर ईरानी प्रभाव/Iranian influence on India

- ➤ घनिष्ठ व्यापारिक सम्बन्ध ।
Close business relationship.

- ➤ ईरानी स्वर्ण सिक्का डारिक एवं चाँदी का सिक्का सिग्लोई (शैकल्स) भारतीय प्रान्तों में चलते थे।
Iranian gold coin darik and silver coin sigloi (shackles) used to circulate in Indian provinces.

- ➤ अशोक स्तम्भ /Ashoka Pillar
  - घण्टे की आकृति के फलक /Hourglass Faces
  - सिंह या वृषभ स्तम्भशीर्ष /Lion or Taurus capital
  - राजाज्ञा की शैली /Style of royalty
  - अरामाइक लिपि आदि पर ईरानी प्रभाव /Iranian influence on Aramaic script etc.

अशोक ↓ ईरान के राजा डेरियस से प्रभावित होकर लेख लिखवाया

- ईरानी क्षत्रप प्रणाली का प्रयोग शक और कुषाण शासकों ने किया।

The Shaka and Kushan rulers used the Iranian Kshatrapa system.

- दण्ड के रूप में सिर घुटवाने की प्रथा (मौर्य काल में।)

The practice of beheading as a punishment (in the Maurya period.)

- स्त्री अंगरक्षिकाओं की नियुक्ति (मौर्य काल में)

Appointment of female bodyguards (in the Maurya period)

- ➤ खरोष्ठी लिपि (अरामाइक लिपि से अपनायी गई थी)

Kharoshthi script (was adopted from Aramaic script)

- ➤ चंद्रगुप्त मौर्य ने बाल धोने की क्रिया एवं सभा कक्ष में पवित्र अग्नि जलाने की परम्परा ईरानी राजाओं से सीखी।

Chandragupta Maurya learned the ritual of washing hair and lighting the holy fire in the assembly hall from the Iranian kings.

- ➤ पहली बार भारतीय सेनाओं का यूरोपीय सेनाओं का सामना तथा भारतीय दार्शनिकों का यूरोपीय दार्शनिकों से सम्पर्क स्थापित हुआ।

For the first time the Indian armies faced the European armies and the contact of Indian philosophers with European philosophers was established.